अंचल में अनेकानेक आध्यात्मिक कार्यक्रम

कोरबा 28.02.2017–प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वाधान में राजयोग केन्द्र बाल्को में आयोजित कार्यक्रम में बहन रेणु अग्रवाल महापौर नगर पालिक निगम ने कहा कि जीवन में आत्मिक ज्ञान भी आवश्यक है, जिस तरह हम शरीर भोजन खिलाते हैं। प्यार, सुख, शांति और पवित्रता इसी के प्रतिफल है। बूंद बूंद से ही घट भर जाता है। मुझे यह ज्ञान अच्छा लगता है। इससे घर में कलह क्लेश भी खत्म हो जाते है। भ्राता भ्राता ए.के.वर्मा उप. महाप्रब्रधक सेन्ट्रल वर्कशाप कोरबा ने कहा कि इंसान को अपने कर्मों को श्रेष्ठ बनाने का प्रयास करना चाहिए जिससे दूसरों को प्रेरणा मिलें। डॉ. के सी देवनाथ अक्षय चिकित्सालय कोरबा ने कहा कि संसार की उत्पत्ति शिव प्रकाश से ही हुई है जबकि विज्ञान का मानना है कि संसार की उत्पत्ति एक सेल अमीबा से हुई। बहन इन्दु शर्मा अध्यक्षा गौमुखधाम सेवा समिति बाल्को प्रबंधन के सहयोग और नगर पालिक निगम के प्रयास से यह स्थान बहुत ही जन उपयोगी बन गया है। यहॉ तन और मन दोनों को स्वस्थ रखने के लिये मार्ग दर्शन मिलते हैं। बहन सुनीता दुबे व्याख्याता ने कहा कि अज्ञानता को मिटाने के परमात्मा के परमात्मा शिव का अवरण हो चुका है। शिवरात्रि पर्व मनाने का अर्थ ही है कि अपने स्वयं के मन के अंधकार को मिटाना है और विकारों से मुक्ति पाना है। मो. अब्बदुल गफ्फार खान वरिष्ठ नागरिक बाल्को ने कहा कि परमात्मा सर्वशक्तिमान है और सभी का मालिक है। उसकी कृपा से हम जीवित हैं और चल फिर रहें हैं। उसी की कृपा से हमारा अस्तित्व है। ईश्वर को हम सभी से प्रेम है। बी. के. श्रीवास्तव बाल्को ने सभी को शिवरात्रि पर्व की शुभकामनायें दी। ब्रह्माकुमारी कु. नेहा ने गीत की प्रस्तुति की।

राजयोग केन्द्र कटघोरा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भ्राता पवन गर्ग उपाध्यक्ष नगर पालिक परिषद कटघोरा ने कहा संस्था द्वारा आध्यात्मिक छठा विखेरने का प्रयास शिवरात्रि महोत्सव पर किया जा रहा है इसका मैं आभार प्रकट करता हूॅ और सभी को शिवरात्रि महोत्सव की शुभकामनायें देता हूॅ। भ्राता संजय अग्रवाल वार्ड पार्षद ने कहा कि यहॉ आकर मुझे शिवरात्रि महोत्सव का स्पष्ट ज्ञान मिला, अभी तक तो हम शिव और शंकर को एक ही मानते आये हैं लेकिन दोनों में पिता और पुत्र का संबंध है। शिव कल्याणकारी परमपिता परमात्मा है, तो शंकर विनाशकारी एक देवता है। डॉ. के.सो.देबनाथ अक्षय हास्पिटल कोरबा ने कहा कि जब हम परमात्मा शिव पर हमारे अंदर छिपे हुए विषय विकार अर्पित करते हैं, तो वे हमारी झोली ज्ञान, शक्ति, गुण, प्रेम, शांति और वरदानों से भरपूर कर देते हैं। ब्रह्माकुमारी बिन्दु बहन ने शिव के अनेक नामों के रहस्यों को स्पष्ट करते हुए कहा कि शिव की प्रतिमा विश्व में सभी धर्मों में विभिन्न रूपों में यादगार रूप में पाई जाती है। एक ज्योति स्वरूप परमात्मा ही सर्व धर्म मान्य हैं।

राजयोग केन्द्र उरगा में आयोजित कार्यक्रम में भ्राता सम्मेलाल जगत सरपंच, भ्राता अविनाश कंवर उपसरपंच, भ्राता वंशमणी प्रधान पाठक, भ्राता ओमप्रकाश शिक्षक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शिवरात्रि पर्व की सभी को शुभकामनायें दी। मानवता की सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी